MSS. हस्त.

इतिहास

(१०)

राजे छत्रपती

बाळाजी विश्वना:

भट्ट सातारे

रायगडचा

शिवाजी राजे

हकीकत

धारपोतदार . पा.५ ..

क्र. ८ / १० अणे

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(१)

॥ॐ णमो ग्णाना थ्याः येक॥
॥वीङास्चर्गें तुझ्ञामाथास॥
॥सुपाताछें पायेपं थ्याः वा॥
दनीक थ्याः वेंका रुः॥१॥
॥जुये जुये मा ये स रस्च॥
॥[illegible] च्री कुव णा तु म्री वे॥
॥क्री [illegible] तुं कुयो ज्ञाणा स॥
॥क्रीः स वी कु ती वो का रु॥
॥[illegible] जः मे जु ये जी स हुरु॥
॥सं वी कु ती सा श्रा तोरुः॥
॥बुंम्हा वी श्रु म हे स्च रुः॥
॥वो वें का रु वो ळुरवी॥
॥जेः॥२॥

"Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

(२)

१व॥

॥ क्ष्मां तां ब्रां म्ह पा न्वा म ही माः कीं मी त॥
॥ व र्णे पु रु सो त माः ज यां जे स ही॥
॥ पें नव न्न माः म र पा ज न्मो स्तु की जेः॥
॥ १॥ स्च यें बा ळी ळा श्री कृ ष्णः मा श्रें दे॥
॥ व त ब्रां म्ह पाः ब्रां म्ह पा पु जे वी पा म॥
॥ ज उ॥ पाः ल पु प्र मा पा न्न स नाः॥ २॥
॥ सां स्ये कृ पें णं प रीं ळीं प राः व री॥
॥ ळी क म व्ह जा सु र राः कृ ष्ण ना मा॥
॥ म्य ॥ र्थी का राः वी ज यें व रा पा॥
॥ व ळें॥ ३॥ दे व दे सां सी गु ल ळ ता॥
॥ जा ना सा श्रे स वं द्री ती म र नाः गु॥
॥ रु त न हु ष ही व र्णोः ब्र म्ह पा रा॥
॥ ना स्तु दे वः॥ ४॥ ब्रां म्ह पा श्रे त्री॥
॥ दो नी व र्णोः ये क रा जा ये कृ प॥
॥ पा पाः सी वा जी छ त्र प तीं॥ मा॥
॥ प पां द वाः स्ता ह्य जी ... श्रा ती म
स्च ना र्थः॥ ५॥ ...
॥ ५॥ मीत वें

Joint Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan Mumbai

(3)

॥ नु तीः नै सें को ळ

॥ मी प तीः म्हणा ३ नी व म

॥ स की तीं: न हो छ त्र प ती म

॥ हां रा जाः १॥ जां बो दी पी तु म

॥ नी श्री तीः सी व रा ज दृ ची ॥

॥ प तीः बा ळा जी प्र धा पं त वे द ॥

॥ मु तीः की ती दी गं ती फां क की ॥

॥ ७॥ पु वीं के ळें त प दाः के ळें यै ग ॥

॥ या ग्या ज णः दे व ती थें ल ती ॥

॥ ब्रा ह्म णा पु ज नः ह री क था पु रा ॥

॥ णा ला र्थ की ळें ॥ दा न पा दा णा ॥

॥ व स्त्र दा नः गो दा न भु मी दा ॥

॥ नः ह री ह र स हु रु पु ज नः ॥

॥ हें सी न र णा चे ड ळें तु म्हा ० ॥

॥ त पा चें सा म थें थो रः तें पा ॥

॥ तु र्ल ळा वी रचं ना रः दी घ ॥

॥ ळें रा जें सं भा रः से णा ज्ञा ॥

॥ र ज ग नी तः ॥ ॐ ॥ ला हो ॥

..अनी घी स्तुप तीः सीवस्तु ||
	पाह्लान्च क्रुवतीः पावां रवंडी	
	येसकी तीः आहो दीप्ती माहा	
	राजाः ||११|| रवीला वं मदी वे	
	स्चरः स्यां स्वी तुम्हा वरी येक	
	पाजरः कुपा करूनी आपारा	
	तुम्हासी अमरती हीकेलें: ||१२|
	तुस्ट व्हा वैकुंठ नायेकः रा	
	जेंदी घवें अमोवीकः छत्र	
	पती सीव राजयेकः स्तु पती	
	लानीक असना: ||१३|| वो	
	पव्हे राजे राजे स्चरः रजपुत	
	राज जुंझारः थोर कुव्हीं यां	
	स्व आपारः तुम्हा समोर होती	
	ना: ||१४|| अहो सीवराज छ
त्र पतीः बाह्लाजी प्रधा ग
	वेद मुर्तीः पावां रवं
स्वी ध्यातीः आनीक स्तुप
असपाः ||१५|| स्चरा केली

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(५)

नीक्षत्रीःपृथ्वीत्तनाहीको

णीवैरीःपराजवीछेदुरा

॥चारीःक्षातीथोरीसुमंड

॥१६॥जीतछेदेसदेसातरः॥

॥मंडकीछेचेतछेलपार॥

॥सत्रुकरुनीचकचुरः॥

॥स्याहारेंथोरजीतछीः॥१७॥

॥घरत्रीतराजयांसीथोरी॥

॥नाहीसेकेछेवैरीःतुम्हा॥

॥सीजोडाघरनीवरीःना॥

॥हीक्षत्रीसुमंडछीः॥१८॥धै

॥तोजीसीवराजसुपाळी

॥पुन्येंस्छोकामहीपाळः॥

॥बाळाजीमंत्रीपुणेसी॥

॥ळाः॥धर्मेपाळाप्रतापसी॥

॥घुः॥१९॥बहुतदीवसप॥

॥छमेःवीस्वआटछें॥

॥तसमायेःबरंपा॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

॥ रायोंच्ये: बराउपाये॥
॥ पालव्हेवी:॥२०॥ तुमं॥
॥ चेराजी छत्रपतीःमा॥
॥ जमासी जाव्ही वेस्प्रे॥
॥ तीःप्रभु मंडळी जाव्ही॥
॥ श्चा तोंःवी स्च वी म्रात्ती॥
॥ पाव व्हेंः॥२१॥ सुरवी॥
॥ जाव्हे मुनी जपाःगाछे॥
॥ ल्न ती त बांम्ह पाःस्च हा॥
॥ स्च चाक व्या पाःयोगी॥
॥ जपापट ता तीः॥२२॥ मा॥
॥ राया भार के व्ही श्चा ती॥
॥ मा रुनी दुरके व्हे दुःख॥
॥ तीः थोर सा मथे छत्रप॥
॥ तीः होन्न पती पुन्ये स्को
॥ काः॥२३॥ लाताजगाः
॥ वें क व्या पाःक रुनीना॥

Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan

(5) २९

।।द्वां वेंजपाः स्तुरवपा।।
।।वतीमुनींजपाः तुम्हा।।
।।कव्यापावीतीतीं२४।
।।व्रतेंतपें तीर्थं दानेंः योग।।
।।यागादीसाधपेंः हरी।।
।।कथापुराणश्रवणेंः तु।।
।।मच्यापुन्यें वाळ्तीराया।।
।।२५।। आंतांप्रकटयाची स्या।।
।।कराबीरायाचे कृतीः कीं।।
।।तींहोईव्ह त्रीजगतीः सं।।
।।तोसतींः हरीहरः।। मागेंपंस।।
।।रामें आपपाः धरत्रीनी।।
।।धेत्रीरूपाः दीधलीब्रा।।
।।मनींआगुपाः त्रयेलोक।।
।।संपुर्णसुखीकेलेंः।।२७।।
।।श्रीरामें प्रतापकरूपाः।।
।।वधुनीराव पाकुंभकर्णा।।
पीः बीभीसे पाचीरंजी।।

Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(5A) 6

कोतयांशअसपुखदी॥
॥घळें॥२८॥गोकुळींआवत॥
॥रळेनारायेपःसरवाकरा॥
॥नीयांअजुपःपाडवांसाप॥
॥कारीहोउपःदैसेनीदोवुप॥
॥सताडपारक्षीळें॥२९॥लो॥
॥सेंकरोवेंछत्रपतीःतुम्हींत॥
॥वंसीवाजीनमुतीःदुर्जेना॥
॥सीव्हावुळातीःजनाप्रतीसु॥
॥रवदयावें॥३०॥बाचपाकु॥
॥ळींयांसेशचीसुरःलवपे॥
॥जाळेसेवायरःतयासी॥
॥देउनीदेसओडारःघराळु॥
॥पारवसवावी॥३१॥कोटी॥
॥योजयांजाबोदीपःमृच्छीमे॥
॥तुम्हाप्रतापःतेथवरीतुमं॥
॥म्हाप्रतापःसोयेअमोवप्र॥
॥कासळें॥३२॥असंक्षाती॥
॥सैन्यांमीथोरीःसैरादुमदु॥
॥मीवीघरत्रीःलस्वगर्जे॥

(6)

॥ अपार आरीः मां पानाकं ॥
॥ रीं पाकर वें:॥ ३३॥ आहोराय॥
॥ गु पानी धीः प्रताप स मुद्र॥
॥ उद धीः माहाराजा ध मे नी॥
॥ धीः कृपानी धी सीव स्वामी॥
॥ ३४॥ तुमच्या जपकें सामर्थेः चतु॥
॥ संत्यौ ध्ये होतः सुरु घडीयां॥
॥ आगीं क्रीडतः हर हर म्हणत स॥
॥ द्धचो सें:॥ ३५॥ तुम्हा साहेत्री पु॥
॥ रातेः पसु पत चेउ नीयां करी॥
॥ लव चे नी दुःली व्हवेः तुम्हा॥
॥ ये समर्थी के ळे रायाः॥ ३६॥ धीरा॥
॥ प्रताप महीमाःराज नी धीन्द्र॥
॥ पोत माः माहाराज छत्रपती॥
॥ नामाः नाही तुम्हा प्रती मळ॥
॥ ३७॥ नाही ळर की करीसी तीः॥
॥ साक्ष देव वेद स्ट तीः सये तुरा॥
॥ जाभु पतीः ससेव नो कीः॥
॥ कावी नीः॥ ३८॥ णवळ क्ष धो॥
दीं ळसे रच रः गनी ताळां॥

(6A)

सै न्यें भार:सी व राजसै ॥
॥ सें ऑरंप र: पाक कपारग: पा ॥
॥ वया:॥३९॥ जैसें समुद्रासें अक ॥
॥ धनी फांकी केकांको क: ते मे राया ॥
॥ तुजें दळ: देशासें सकळव्यापी ॥
॥ के:॥४०॥ सत्रुनाहीकेको मैंनी: ॥
॥ नीश्रेत्री केकी अवघी ळवनी: ॥
॥ लांताकव्यापाकुळदेउनी: ज ॥
॥ यापाळनीवर्तीवें:॥४१॥ घन्येंसी ॥
॥ वराजा छत्रपती: बाळाजीप्रधा ॥
॥ धावेदमूर्ती: श्रीराम मसुमतसु ॥
॥ घमती: पुराणागजेतीयेदर्थी ॥
॥ ४२॥ मीकायसीकउतुमासी ॥
॥ तुम्हीसर्वेभ्रराजरे सी: मीलज्जा ॥
॥ पासर्वेवीसी: आपादमास्री या ॥
॥ मनासी: देवकार्यीकागुनी:॥४३॥
॥ वीघावीतों भावार्थे करुणी ॥
॥ देवकार्ये घरुनी मनी: तु ॥
॥ म्हीतवें पृथ्वीमें घनी: श्री ॥
॥ राम भजनी भजावें:॥४४॥

[illegible] Sanshodhan Mandal, D[illegible]le and the Yashw[illegible] Ch[illegible] Pratishthan, Mumbai.

(७)

।। आतां तां ब्र तांनु सं पुत्रोः सागुतां ।।
।। लक्षीसें मही मा पाः ये क वे ।।
।। रागी ये उ पाः जु पा र दे सां त ।।
।। राही ब्ला ।।४५।। पा ब ल्ल तर ।।
।। फे माझारीः घा म नी गांवांत्ती ।।
।। तरीः रा होनी श्री रामु कीर्ती ।।
।। थोरीः मुर्ती क रुनी बै स वी ।।
।। ब्याः ।।४६।। मुर्ती क रुनी ।।
।। सुंद राः श्री राम ल्लक्षी म पा ।।
।। सीता सुंद राः प्र सा द वाथो ।।
।। नी सें राः मो छा व के ल्ले व ।।
।। हु फा रः ।।४७।। मे ळउनी त्तती ।।
।। त ब्राह्म पाः स ह स्त्र भोज यां ।।
।। ल पा दा पाः क रुनी कथा ।।
।। पुरा पा श्र व पाः की र्त स ।।
।। ज पा गो र वी ब्ले ।।४८।।
।। ब हु त दी व स ल्ल पा दः श्री ।।
।। रा म पा ती ला ब मो ग पा ।।
थो र के ब्ला प र मा द्दं त या
पा

(२A)

॥ गी तुरुट क्का॥४९॥ ते

॥ पुढें मांडला ज्ञ पथेः रा॥

॥ जीकजा ळें बहुतः संक॥

॥ राजी पंथें उपा तेथः प्रक्ता॥

॥ येथोर पै को[illegible]॥५०॥ गावंमे॥

॥ काश्लंगानीः जया गळें पा॥

॥ ळे नीः मगावीदी तेमनीः॥

॥ बैरागी रामपैं दै। वेः॥५१॥

॥ गळीं कुरुनी रुतमंः ला। ता॥

॥ मुर्ती बैसउपाः गळेल॥

॥ रंगा बादे क्का मुपाः तेथे का

॥ [illegible] संतसजणां केटळे॥

॥ ५२॥ मुर्ती बहुतसुद रा॥

॥ देखोपासं तो सजा क्का॥

॥ थ्या शंः तीही सागीत ळेवी॥

॥ वीराः मुर्तीलयो घ्यापु

॥ रापावंती ना॥५३॥ पुढे प्र॥

॥ ळये लाहे थोरः मोगळं॥

॥ ळें जये फारः मुर्ती सद॥

Rajavade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

श्र (४)

।।ती श्रूं जारः श्रये थोर ज्ञावी।।

।।प्यः स्वेंः।।५४।।मुर्ती सुंदर।।

।।सुक्ष्म क्षुधाः स्त्रीरा मूपस्व।।

।।रू नी च्या पाः जगजी वधा।।

।।जगत्प्रांपाः हैं ग्यो गीजेप।।

।।जाणातीः।।५५।।लक्ष्मीम।।

।।च्छ जती रीता सतीः अ।।

मतार अवतारी जन्म च्ये।।

।।तीः नी दी व्या व या दै सेजा।।

।।तीः देवां प्रतीरक्षां वे।।५६।।

मगतो बैरागी राम आपा।।

।।पाः मना सी वीचार करूपा।।

।।वी वेक हृदयं घरूपाः मु।।

।।र्ती परतो पाला प्रीयः स्या।।

।।५७।।ल्ला नुनी यां पुवे स्था।।

।।पासीः मुर्ती पुरुषी स्तु।।

।।मी सीः हाउनी यां कासा।।

।।वी सीः आप पात पासी।।

(८७)

गे क्षाः ॥ ५८ ॥ श्री सेंत्रा ॥
हे छे त्र प तीः माहां राजा ॥
धर्मे मुर्तीः मुर्तीं कादुं पा की ॥
र्तीः भु मंड ळीं कू रा वी राया ॥
५७ ॥ सुंदर बांधो पा गो पुरः ॥
श्रीमं प्र सां दृ मनोहरः मुर्तीस्थ ॥
पुनीज म्येज यें कारः जगड ॥
धार करावाः यो ॥ ६० ॥ दंड ॥
कारं न्यें देसा मा झारीः संद्र थ रवंडा ॥
स्ती रीः तें श्री राम देउ ळ वी कीत्रप ॥
रीः नाना कुंस री क रा वे राया ॥ ६१ ॥
देवा र्ह ळ बांधो सुंदरः बंसवां वें ॥
स्तीव राम पुरः श्री राम नाम मा ॥
राज रः जगदो धार करावा स्वा ॥
मीः ॥ ६२ ॥ ओहो सीव राज न क्र वती ॥
माहां राज भु पा ळा भु पतीः बाळा ॥
जी प्र धां पा बुं मुर्तीः श्री राम कीर्ती ॥
करा स्वामीः ॥ ६३ ॥ पुर्वी वे ळु च क्र
वर्तीः वे कु रु ळ र न पो वी क्षा ती ॥
करुनी गेळा भु पतीः वै कुंठ प्र
ती पा वक्षाः ॥ ६४ ॥ भुमी राज नी ॥

Joint Project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

घी स वे ज्ञः जाया ते ना ढा वी ना ॥
या: क्त ह्ली वै रा गे नी कृ: वी वे का धु ॥
घो प्र ता पी: ॥६५॥ आ नी क वी दा ॥
ती प री ये सा स्वी: स श्री ये व न पा सं ॥
गो तो मी: क्ष स ये पा बौ ळे श्री र ॥
म कां मी: घो रा स मी स वें वी स ठं ॥
॥६६॥ तु को बा चे ना रा यपा: स क्ती वें ॥
रा ती ना नी पु पी: सा नी म ज अना ॥
दे ड्रु पा: क ये स्व रा चा मी मी जे दा ॥
व या: ॥६७॥ श्रो रो नी यां चे द मु ॥
र्ती सी: मा अ वी पा ती मा गा ॥
वी त यं ती: श्री रा म मु र्ती का दा ॥
व या सी: तु क्ली रा ज या सी वी ॥
पा वी जे: ॥६८॥ मा ह्रे ती सा गा ॥
वें क्ष सी वे पा: क्ष पो ण क्ता वा ॥
थें क रू पा: छ त्र प ती सी वीं या ॥
ती क रु पा: श्री रा म का ये सां गा ॥
वें: ॥६९॥ लो से ला हे न क्रु व ती ॥
बा हेर का ढु पी श्री राम मु र्ती: ॥
सं त सा धु ला पा द ती: क्ष सी वो ॥
ती मु पा स क ळ: ॥७०॥ ला ॥

the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "Sant Project"

(७A)

द हो ई कधरत्री स्मीः आ पां॥
॥ द ती देव न स्मीः ज मी त पी यो गी॥
॥ स न्यां स्मीः कुम्हा पां दा स्मी पू व॥
॥ वी रा म्याः॥७१॥ तु म च्या ध में जी॥
॥ सु प तीः बी स्व आ पा दें ना द तीः॥
॥ जां बो टी वी हो ळ क्षा तीः ये त्रा॥
॥ कीर्ती प्र व स ळः॥७२॥ आं तां:
॥ तु म्हा स्मी क व्यां पाः बं धु पु त्र॥
॥ स त व मा पाः म जा ळ सी पं॥
॥ डी त व कु पाः व जी र उ ब रा॥
॥ व स पु वो र भु ना रा ये त या स्मीः
पु तौ रव इ रा व
॥७३॥ मे नो दं ळ भा र आं व ज गो॥
॥ दा त्री जं झा र मा हा ता अः त यां
॥ क्ष स्मी र क्षु ग रु ड ध्वजः मा हा ता॥
॥ ज सर्वे का ळ ७४ आं ता कु वी नी॥
॥ वी या तीः औ का वी हा रा जा॥
॥ त्रु प तीः सु मी तु नी श्री रा मा
॥ मु तीः का टु नी वी श्रां ती म
ज द्या वीः॥७५॥ मी त नें:

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(१०)

॥ क नाथ अज्ञा पाः या ती॥
॥ ही पा बुद्दी ही पाः श्रा वा थें
॥ के ळें व पो पाः तु म्हा ला ग
॥ पा पुरं ष राः॥७८॥ व ळ गा॥
॥ या त्रा वि की दे वः हा ची भा ष्ट्र
॥ म नी [illegible] वः पा हा वा छ र पा
॥ ती [illegible] वः मा हा रा ज [illegible] प ती
॥७९॥ भा ष्ठा सं प्र द [illegible] बो ध॥
॥ [illegible]ः बो धी बो धो गो स्व यें॥
॥ तां [illegible] यें सं च॥
॥ [illegible] त वी ला स ज पीः॥
॥ [illegible] वां [illegible] वी [illegible] पा ळ दा स॥
॥ तु म [illegible] मां वा द स॥
॥ कृ मा के रा जो आ णी [illegible]॥
॥ दी या क नाथ म्ह णो नी यां॥
॥८०॥

"Joint project of Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com